>

Title: Need to set-up a Central University in Bihar.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): महोदय, देश को जानकारी है कि भारत सरकार की ओर से सभी राज्यों में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना हुई है। किसी राज्य में एक, किसी में दो, किसी में तीन, चार, पांच तक केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना राज्यों में हुई है। बिहार ही ऐसा दुर्भाग्य वाला राज्य है, जहां अभी तक एक भी केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना नहीं हुई है। बहुत लंबे समय से मांग हो रही है कि पटना विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाया जाये। यह मांग बहुत समय से है। पटना विश्वविद्यालय नामी विश्वविद्यालय है और देश और दुनिया में इसकी ख्याति है, लेकिन अभी तक उस पर विचार नहीं हुआ है। अभी पता चला कि राज्य सरकार ने कहा कि महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय चंपारण में बनेगा, लेकिन उस पर भी कई वर्षों से कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मैं इस बयान के माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूं कि ऐसा क्यों हो रहा है? देश के अन्य राज्यों में केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैं, लेकिन बिहार में अभी तक एक भी केन्द्रीय विश्वविद्यालय नहीं है। यह कब होगा, इसकी क्या स्थिति है? राज्य सरकार का क्या प्रस्ताव है, भारत सरकार का क्या कहना है? इस तरह से भेदभाव क्यों हो रहा है? अब वहां की आबादी 10 करोड़ होगी, लेकिन वहां पढ़ाई-लिखाई और सभी मामलों में पिछड़ापन है। वहां पर केंद्र सरकार की मदद होनी चाहिए। अन्य राज्यों एक, दो, तीन, चार, पांच तक केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैं, लेकिन वहां एक भी केन्द्रीय विश्वविद्यालय नहीं है। हम इसी ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हैं। सदन को और देश को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि वहां केन्द्रीय विश्वविद्यालय कब खुलेगा, कहां खुलेगा, वह अब तक क्यों नहीं खुला? लोगों को पता होना चाहिए कि केंद्र सरकार की ओर से इंसाफ होता है। बहुत-बहुत धन्यवाद।